Date time

who is Muslim ?

बिल्कुल। नीचे **Muslim by Origin (जन्म से मुस्लिम)** और **Muslim by Conversion (धर्म-परिवर्तन से मुस्लिम)** का **विस्तृत Hindi + English table** दिया गया है, जो LLB Muslim Law के अध्ययन के लिए उपयोगी है।

Muslim by Origin vs. Muslim by Conversion

Basis / आधार	**Muslim by Origin / जन्म से मुस्लिम**	**Muslim by Conversion / धर्म-परिवर्तन से मुस्लिम**
1. Meaning / अर्थ	A person who is Muslim from birth is called Muslim by origin.	A person who was not Muslim originally but accepts Islam is called Muslim by conversion.
	जो व्यक्ति जन्म से मुस्लिम है, उसे जन्म से मुस्लिम कहा जाता है।	जो व्यक्ति मूलतः मुस्लिम नहीं था लेकिन इस्लाम स्वीकार कर लेता है, उसे धर्म-परिवर्तन से मुस्लिम कहा जाता है।
2. Basis / आधार	Based mainly on **birth and parentage**.	Based on **voluntary acceptance of Islam**.
	मुख्य आधार **जन्म और माता-पिता** हैं।	मुख्य आधार **स्वेच्छा से इस्लाम स्वीकार करना** है।
3. Original Religion / मूल धर्म	The person is born into a Muslim family.	The person was originally a follower of another religion or had no Muslim origin.
	व्यक्ति मुस्लिम परिवार में जन्म लेता है।	व्यक्ति मूल रूप से किसी अन्य धर्म का अनुयायी था या मुस्लिम मूल का नहीं था।
4. Conversion / धर्म-परिवर्तन	No conversion is necessary.	Conversion to Islam is necessary.
	धर्म-परिवर्तन की आवश्यकता नहीं होती।	इस्लाम को स्वीकार करना आवश्यक होता है।
5. Acceptance of Islam / इस्लाम की स्वीकृति	Islam is inherited through birth into a Muslim family.	The person voluntarily accepts Islam as his/her religion.
	मुस्लिम परिवार में जन्म के कारण व्यक्ति मुस्लिम माना जाता है।	व्यक्ति स्वेच्छा से इस्लाम को अपना धर्म स्वीकार करता है।
6. Declaration / घोषणा	Normally, no declaration of conversion is required.	A genuine declaration/acceptance of Islam may be relevant, depending on the circumstances.
	सामान्यतः धर्म-परिवर्तन की घोषणा आवश्यक नहीं होती।	परिस्थितियों के अनुसार इस्लाम स्वीकार करने की वास्तविक घोषणा/स्वीकृति महत्वपूर्ण हो सकती है।

Basis / आधार	Muslim by Origin / जन्म से मुस्लिम	Muslim by Conversion / धर्म-परिवर्तन से मुस्लिम
7. Intention / मंशा	No question of conversion intention arises.	The acceptance of Islam should be genuine and voluntary.
	धर्म-परिवर्तन का प्रश्न ही नहीं उठता।	इस्लाम स्वीकार करने की मंशा वास्तविक और स्वैच्छिक होनी चाहिए।
8. Personal Law / व्यक्तिगत कानून	Muslim Personal Law may apply where applicable by law.	After valid conversion, Muslim Personal Law may apply where legally applicable.
	जहाँ कानूनन लागू हो, वहाँ मुस्लिम व्यक्तिगत कानून लागू हो सकता है।	वैध धर्म-परिवर्तन के बाद, जहाँ कानूनन लागू हो, वहाँ मुस्लिम व्यक्तिगत कानून लागू हो सकता है।
9. Marriage / विवाह	Marriage is governed by applicable Muslim personal law and statutory law.	Marriage after conversion depends upon the applicable personal law and statutory provisions.
हिंदी	विवाह पर लागू मुस्लिम व्यक्तिगत कानून और वैधानिक कानून प्रभावी होते हैं।	धर्म-परिवर्तन के बाद विवाह के परिणाम संबंधित व्यक्तिगत और वैधानिक कानून पर निर्भर करते हैं।
10. Succession / उत्तराधिकार	Rules applicable to Muslim succession may apply where Muslim law governs succession.	Conversion can affect succession rights, but the precise effect depends upon the applicable succession law and circumstances.
	जहाँ मुस्लिम उत्तराधिकार कानून लागू होता है, वहाँ उसके नियम लागू हो सकते हैं।	धर्म-परिवर्तन उत्तराधिकार के अधिकारों को प्रभावित कर सकता है, लेकिन वास्तविक प्रभाव संबंधित उत्तराधिकार कानून और परिस्थितियों पर निर्भर करता है।
11. Children / संतान	Children born into a Muslim family are generally regarded as Muslim by birth, subject to applicable law.	The legal status of children depends on the circumstances and applicable law.
	मुस्लिम परिवार में जन्मे बच्चे सामान्यतः जन्म से मुस्लिम माने जाते हैं, लागू कानून के अधीन।	बच्चों की कानूनी स्थिति परिस्थितियों और लागू कानून पर निर्भर करती है।
12. Religious Identity / धार्मिक पहचान	Religious identity originates from birth and family background.	Religious identity results from acceptance of Islam.
	धार्मिक पहचान जन्म और पारिवारिक पृष्ठभूमि से आती है।	धार्मिक पहचान इस्लाम स्वीकार करने से प्राप्त होती है।

Basis / आधार	Muslim by Origin / जन्म से मुस्लिम	Muslim by Conversion / धर्म-परिवर्तन से मुस्लिम
13. Example / उदाहरण	A child born to Muslim parents is generally Muslim by origin.	A person born in a Hindu, Christian, Sikh or other non-Muslim family who voluntarily accepts Islam is Muslim by conversion.
	मुस्लिम माता-पिता से जन्मा बच्चा सामान्यतः जन्म से मुस्लिम माना जाता है।	हिंदू, ईसाई, सिख या अन्य गैर-मुस्लिम परिवार में जन्मा व्यक्ति यदि स्वेच्छा से इस्लाम स्वीकार करता है, तो वह धर्म-परिवर्तन से मुस्लिम कहलाता है।
14. Proof / प्रमाण	Birth and family records may establish the person's background.	Evidence of genuine and voluntary conversion may become relevant when disputed.
	जन्म और पारिवारिक अभिलेख व्यक्ति की पृष्ठभूमि स्थापित कर सकते हैं।	विवाद होने पर वास्तविक और स्वैच्छिक धर्म-परिवर्तन का प्रमाण महत्वपूर्ण हो सकता है।
15. Legal Status / कानूनी स्थिति	Status as Muslim generally follows from birth, subject to applicable law.	Status as Muslim follows from a legally recognised/genuine conversion, subject to applicable law.
	लागू कानून के अधीन, मुस्लिम होने की स्थिति सामान्यतः जन्म से प्राप्त होती है।	लागू कानून के अधीन, मुस्लिम होने की स्थिति वास्तविक/मान्य धर्म-परिवर्तन से प्राप्त होती है।

Short Exam Answer

Muslim by Origin — जन्म से मुस्लिम: - A person who is Muslim by birth, generally because he/she is born into a Muslim family, is called a Muslim by origin.

Muslim by Conversion — धर्म-परिवर्तन से मुस्लिम: - A person who was not originally Muslim but **voluntarily and genuinely accepts Islam** is called a Muslim by conversion.

याद रखने का Formula - ORIGIN = BIRTH + FAMILY - जन्म से = जन्म + परिवार

CONVERSION = ACCEPTANCE + VOLUNTARY CHANGE - धर्म-परिवर्तन से = इस्लाम की स्वीकृति + स्वैच्छिक परिवर्तन

Muslim by Origen> a person who subscribe the basic of Islam is a Muslim

a the principle of the amity of God.

b Mohammad is the prophet of God.

c other essential belief.

> Holi book Quran.

> Hazrat Mohammad was the first rasul (Prophet).

> there is a day of judgment (Qayamat).

> followed by life after death. (akhirath).

> if a person is born to Muslim parents, he will be a Muslim.

** **Muslim by conversion.**

a who profess Islam. according to lord magneton profession with or without conversion is Nassery and sufficient to remove the disability heaving another religion.

---

case

a abdul Razak v aga Mohammad 1893 razak was bhatiza and his mother was buddha.

Abdul Razak v. Aga Mohammad, 1893 — छोटी कहानी

1. अब्दुल रज़ाक और आगा मोहम्मद के बीच **मुस्लिम उत्तराधिकार/संपत्ति के अधिकार** से संबंधित विवाद था। मामले में यह प्रश्न उठा कि मुस्लिम कानून के अनुसार संबंधित व्यक्ति को संपत्ति में क्या अधिकार प्राप्त होगा।

2. न्यायालय ने मुस्लिम व्यक्तिगत कानून के सिद्धांतों को लागू करते हुए उत्तराधिकार के अधिकार का निर्धारण किया। यह मामला **Muslim Law में inheritance और succession के सिद्धांतों** के अध्ययन में महत्वपूर्ण माना जाता है।

Exam में एक लाइन: Abdul Razak v. Aga Mohammad (1893) — यह मामला मुस्लिम उत्तराधिकार कानून के सिद्धांतों के संदर्भ में महत्वपूर्ण है।

---

b **Reshma Bibi v. Khuda Baksh, 1938 (Lahore) —**

1. इस मामले में विवाद **मुस्लिम उत्तराधिकार** (**Muslim inheritance**) से संबंधित था। प्रश्न यह था कि मुस्लिम कानून के अनुसार संबंधित उत्तराधिकारी का संपत्ति में क्या अधिकार होगा।

2. न्यायालय ने मुस्लिम व्यक्तिगत कानून के नियमों के आधार पर उत्तराधिकार के अधिकार का निर्धारण किया। यह मामला **Muslim Law में inheritance और succession** के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

Exam में एक लाइन: - Reshma Bibi v. Khuda Baksh (1938 Lahore) — यह मामला मुस्लिम उत्तराधिकार कानून के अंतर्गत उत्तराधिकारी के अधिकारों से संबंधित है।

***** conversion to Islam _____**

A by ceremony of conversion like.

> going to mosque.

> affirmation of imam's question like, "are you voluntary accept Islam". (yes).

> By reading of Kalma.

> registration in a register kept in mosque.

B

conversion of a Muslim from one set to another does not amount apostasy.

C

conversion should by Bonafide. (good faith).

case **Skinner v. Orde (1871) — 1–2 Lines**
यह मामला **मुस्लिम कानून में विवाह** (**Marriage**) से संबंधित महत्वपूर्ण मामले के रूप में जाना जाता है। इसमें मुस्लिम महिला और ईसाई पुरुष के बीच विवाह की **वैधता तथा उससे उत्पन्न कानूनी अधिकारों** का प्रश्न उठा था।

Exam line: Skinner v. Orde (1871) — यह मामला मुस्लिम विवाह की वैधता और उसके कानूनी प्रभाव से संबंधित है।

case Rukaiyah Bibi v. Anil Kumar, 1948 (Calcutta) — 1–2 Lines
यह मामला **मुस्लिम कानून में धर्म-परिवर्तन** (**Conversion**) **और विवाह की वैधता** से संबंधित था। इसमें यह प्रश्न उठा कि धर्म-परिवर्तन का पहले से मौजूद विवाह और वैवाहिक अधिकारों पर क्या प्रभाव पड़ता है।

Exam line: - Rukaiyah Bibi v. Anil Kumar (1948 Calcutta) — यह मामला धर्म-परिवर्तन के विवाह और वैवाहिक अधिकारों पर प्रभाव से संबंधित है।

---

right and status of conversion.

- after marriage he can enjoy polygamy.

case Sarla Mudgal v u o I 1995.

****Conversion and Dissolution of Marriage**

धर्म-परिवर्तन और विवाह-विच्छेद — Muslim Law

Under Muslim law, conversion by one spouse does **not automatically dissolve the marriage in every case**. The legal effect depends on **who converts, the circumstances of conversion, and the applicable statutory law**, particularly the **Dissolution of Muslim Marriages Act, 1939** and other relevant laws.
मुस्लिम विधि में किसी एक पति या पत्नी के **धर्म-परिवर्तन से हर स्थिति में विवाह स्वतः समाप्त नहीं होता**। इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि **किसने धर्म-परिवर्तन किया, परिस्थितियाँ क्या हैं और कौन-सा वैधानिक कानून लागू है**, विशेष रूप से **Dissolution of Muslim Marriages Act, 1939**।

मुख्य बिंदु

1. **Conversion by Husband — पति का धर्म-परिवर्तन**
   केवल धर्म-परिवर्तन के आधार पर विवाह के समाप्त होने का निष्कर्ष स्वतः नहीं निकाला जाता।
   Merely converting does not automatically dissolve the marriage.

2. **Conversion by Wife — पत्नी का धर्म-परिवर्तन**
   पत्नी के इस्लाम छोड़ने पर भी विवाह के संबंध में कानून **स्वतः और हमेशा dissolution नहीं मानता**; लागू वैधानिक प्रावधानों को देखना आवश्यक है।

3. **Section 4, Dissolution of Muslim Marriages Act, 1939**
   इस धारा के अनुसार **apostasy from Islam by a married Muslim woman does not by itself dissolve her marriage**.

4. **Judicial Remedy — न्यायिक उपाय**
   विवाह समाप्त करने के लिए परिस्थितियों के अनुसार **अदालत से dissolution/decree** प्राप्त की जा सकती है।

Exam Definition

"Conversion does not, by itself, necessarily dissolve a Muslim marriage; its effect is determined by the applicable Muslim law and statutory provisions."

"केवल धर्म-परिवर्तन से मुस्लिम विवाह आवश्यक रूप से स्वतः समाप्त नहीं होता; इसका प्रभाव लागू मुस्लिम विधि और वैधानिक प्रावधानों द्वारा निर्धारित होता है।"

***** application on Muslim law to convert.**

Application of Muslim Law to a Convert — धर्म-परिवर्तित व्यक्ति पर मुस्लिम कानून का लागू होना

A person who **genuinely and voluntarily converts to Islam** may become governed by Muslim Personal Law in matters such as marriage, divorce, succession and inheritance, subject to the applicable statutory law.

जो व्यक्ति **वास्तविक और स्वेच्छा से इस्लाम स्वीकार करता है**, उस पर विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और विरासत जैसे मामलों में मुस्लिम व्यक्तिगत कानून लागू हो सकता है, जो लागू वैधानिक कानून के अधीन है।

**** QUESTION. who is lord magneton.**

If you mean **Lord MacNaughton (लॉर्ड मैकनॉटन**), he was a famous **British judge and Law Lord** of the House of Lords, and his judgments are frequently cited in **Muslim Law and other legal subjects**.

Lord Macnaghten — लॉर्ड मैकनॉटन

- **Full name:** Sir John Macnaghten
- **Born:** 1826
- **Died:** 1916
- **Position:** Judge of the **House of Lords**, United Kingdom.
- He was appointed a **Lord of Appeal in Ordinary** (Law Lord) in **1887**.
- His judgments became important precedents in **English and Indian law**.

In Muslim Law - Lord Macnaghten is particularly remembered for his observations concerning **Muslim Law of inheritance**. One of his well-known observations was: ***"The Muhammadan law of inheritance is a very intricate system."*** His judgments and observations have been referred to by Indian courts while dealing with questions of **Muslim succession and inheritance**.

Lord Macnaghten was a distinguished Law Lord of the House of Lords whose judicial decisions and observations have been influential in the development of legal principles, including Muslim Law.
लॉर्ड मैकनॉटन हाउस ऑफ लॉर्ड्स के प्रसिद्ध न्यायाधीश थे, जिनके न्यायिक निर्णयों और टिप्पणियों का विधि के विकास, विशेषकर मुस्लिम विधि के कुछ सिद्धांतों में, महत्वपूर्ण प्रभाव रहा है।

Yes. **Lord Macnaghten is also important in Legal History**, especially in the study of the **development of the Privy Council and the judicial system during British India**.

Point		
Who was he?	Lord Macnaghten was a British Law Lord and a member of the Judicial Committee of the Privy Council.	लॉर्ड मैकनॉटन ब्रिटिश लॉ लॉर्ड और **Privy Council की Judicial Committee** के सदस्य थे।

Point		
Legal History importance	He participated in important appeals concerning British India.	उन्होंने ब्रिटिश भारत से संबंधित महत्वपूर्ण अपीलों की सुनवाई में भाग लिया।
Privy Council	The Privy Council was the highest appellate authority for many matters from British India before independence.	स्वतंत्रता से पहले कई भारतीय मामलों में **Privy Council सर्वोच्च अपीलीय प्राधिकरण** था।
Judicial contribution	His judgments contributed to the development of legal principles applied in British India.	उनके निर्णयों ने ब्रिटिश भारत में लागू विभिन्न कानूनी सिद्धांतों के विकास में योगदान दिया।
Muslim Law	His observations are also cited in cases involving Muslim Law, particularly succession and inheritance.	उनके विचारों का उल्लेख मुस्लिम विधि, विशेषकर **उत्तराधिकार और विरासत**, से संबंधित मामलों में भी मिलता है।
Importance for LLB	Therefore, you may encounter Lord Macnaghten in both **Legal History** and **Muslim Law**.	इसलिए LLB में आपको **Legal History और Muslim Law दोनों** में Lord Macnaghten का नाम मिल सकता है।

One important distinction

Legal History:- 👉 Lord Macnaghten → Privy Council → Judicial decisions in British India

Muslim Law: - 👉 Lord Macnaghten → observations/judgments relating to Muslim succession and inheritance

So, **yes—you were right to remember his name from Legal History.**

**********==========**********==========**********==========

date 20.08.2026 time 10.30 am period 2 Tuesday

school of muslim law.

One small correction first: **"Ancient" and "Modern" is a classification commonly used in Indian Muslim-law study material**, but historically the Sunni and Shia schools themselves are classical schools of Islamic jurisprudence. Your requested arrangement is useful for examination purposes.

Schools of Muslim Law — Ancient & Modern

Ancient School	Modern School
Ancient schools are generally associated with the early development of Islamic jurisprudence and the original classical schools of interpretation.	**Modern schools/classifications** are often presented in Indian LL.B. notes by grouping the surviving schools into **Sunni, Shia and Other Schools**.
प्राचीन विद्यालय इस्लामी विधिशास्त्र के प्रारम्भिक विकास और पुराने/classical legal schools से संबंधित हैं।	**आधुनिक वर्गीकरण** में प्रचलित schools को सामान्यतः **Sunni, Shia और Other Schools** में रखा जाता है।

Modern Schools

Modern School	Sub-School	English – 1–2 lines	हिंदी – 1–2 पंक्तियाँ
(A) SUNNI	**1. Hanafi**	Founded by **Imam Abu Hanifa**. It gives considerable importance to reasoning, Qiyas and juristic preference. It is the predominant school among Indian Sunnis.	**इमाम अबू हनीफा** द्वारा स्थापित। इसमें तर्क, **क़ियास** (**Qiyas)** और न्यायिक विवेक को महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता है। भारत में अधिकांश सुन्नी हनफ़ी मत का पालन करते हैं।
SUNNI	**2. Maliki**	Founded by **Imam Malik ibn Anas** of Medina. It gives special importance to the practice and traditions of the people of Medina.	**इमाम मलिक इब्न अनस** द्वारा स्थापित। मदीना के लोगों की प्रथा और परंपराओं को विशेष महत्व दिया जाता है।
SUNNI	**3. Shafi'i**	Founded by **Imam al-Shafi'i**. It developed a systematic method of Islamic jurisprudence and gave an important place to the Qur'an, Sunnah, Ijma and Qiyas.	**इमाम शाफ़ई** द्वारा स्थापित। इसने इस्लामी विधिशास्त्र को व्यवस्थित रूप दिया और कुरआन, सुन्नत, इज्मा तथा क़ियास को महत्व दिया।
SUNNI	**4. Hanbali**	Founded by **Imam Ahmad ibn Hanbal**. It is strongly text-oriented and gives great importance to the Qur'an and Hadith.	**इमाम अहमद इब्न हनबल** द्वारा स्थापित। यह कुरआन और हदीस के प्रति अत्यधिक परंपरागत और text-oriented approach के लिए जाना जाता है।
(B) SHIA	**1. Ithna Ashari (Imamia)**	Also called the **Twelver School**. It is the principal Shia school followed by the majority of Shias in India.	इसे **इमामिया या ट्वेल्वर** (**Twelver)** school भी कहा जाता है। भारत में अधिकांश शिया मुसलमान इसी school का पालन करते हैं।
SHIA	**2. Ismaili**	The Ismaili tradition is one of the major Shia schools. In India, important Ismaili communities include the **Khojas and Bohras**.	**इस्माइली** शिया परंपरा की एक प्रमुख शाखा है। भारत में **खोजा और बोहरा** समुदाय इससे जुड़े हुए माने जाते हैं।
SHIA	**3. Zaidya / Zaidi**	The **Zaidi** school is another major Shia school. It developed its own jurisprudential tradition distinct from Ithna Ashari and Ismaili schools.	**जैदिया/ज़ैदी** शिया की एक अन्य प्रमुख शाखा है। इसका अपना अलग विधिशास्त्रीय दृष्टिकोण है।
(C) OTHER	**1. Ibadi**	Ibadi is a distinct Islamic legal and theological tradition and is generally studied separately from the four Sunni and three major Shia schools.	**इबादी** एक अलग इस्लामी विधिक और धार्मिक परंपरा है, जिसे सामान्यतः चार सुन्नी और तीन प्रमुख शिया schools से अलग पढ़ाया जाता है।
OTHER	**2. Ahmadiyya**	The **Ahmadiyya movement** originated in the late 19th century and is often listed	**अहमदिया आंदोलन** का उदय 19वीं शताब्दी के अंतिम भाग में हुआ और भारतीय Muslim

Modern School	Sub-School	English – 1–2 lines	हिंदी – 1–2 पंक्तियाँ
		separately in Indian study material on Muslim-law schools.	Law study material में इसे अक्सर अलग category में रखा जाता है।

```
                SCHOOLS OF MUSLIM LAW
                        |
        ┌───────────────┴───────────────┐
        |                               |
    ANCIENT                          MODERN
                                        |
            ┌───────────────────────────┴───────────────────┐
            |                           |                   |
        SUNNI                         SHIA               OTHER
            |                           |                   |
    ┌───────┴───────┐           ┌───────┴───────┐       ┌───┴───┐
    |   |   |   |   |           |   |   |   |   |       |       |
Hanafi Maliki Shafi'i Hanbali Ithna Ismaili Zaidi  Ibadi   Ahmadiyya
                                Ashari
```

Also, I would **not write "Ahmadiyya = 1900+"** in your exam. Better write **"late 19th century / founded in 1889"** if your teacher asks for the historical period.

question:- who is sunni?

answer those persons who has listened directly from hazrat Mohammad. or blood relatives or family member etc.

Question: Who is a Sunni?

A **Sunni** is a Muslim who follows the **Sunnah (traditions and practices) of Prophet Muhammad** and accepts the teachings transmitted through the Qur'an, Sunnah, and the established Sunni tradition.

सुन्नी वह मुसलमान है जो **पैगंबर हज़रत मुहम्मद की सुन्नत** (**परंपराओं और आचरण**) का पालन करता है तथा कुरआन और सुन्नत से प्राप्त शिक्षाओं को मानता है।

People who **personally met or heard the Prophet Muhammad** are generally called **Sahaba (Companions)**, not simply "Sunni."

Similarly, being a **blood relative or family member** of the Prophet does not automatically make someone Sunni.

Easy exam line - **Sunni means those Muslims who follow the Sunnah of Prophet Muhammad and the established Sunni interpretation of Islamic law.**

सुन्नी वे मुसलमान हैं जो पैगंबर हज़रत मुहम्मद की सुन्नत तथा सुन्नी परंपरा के अनुसार इस्लाम का पालन करते हैं।

question who is shia?

answer those persons who want that khallifa can be elected only. not by family members.

Question: Who is Shia?

A **Shia** is a Muslim who believes that **Ali ibn Abi Talib**, the cousin and son-in-law of Prophet Muhammad, and the **Imams from his family (Ahl al-Bayt)** have a special authority and leadership in the Muslim community.

शिया वह मुसलमान है जो मानता है कि **हज़रत अली इब्न अबी तालिब**, जो पैगंबर हज़रत मुहम्मद के चचेरे भाई और दामाद थे, तथा उनके **वंश/अहल-ए-बैत के इमामों** को मुस्लिम समुदाय के नेतृत्व और धार्मिक मार्गदर्शन में विशेष अधिकार प्राप्त है।

Exam Line - Shia are Muslims who regard Hazrat Ali and the Imams from the family of Prophet Muhammad (Ahl al-Bayt) as having a special position in the leadership and guidance of the Muslim community.

शिया वे मुसलमान हैं जो हज़रत अली और पैगंबर के अहल-ए-बैत से आने वाले इमामों को मुस्लिम समुदाय के नेतृत्व एवं धार्मिक मार्गदर्शन में विशेष स्थान देते हैं।

ध्यान रखें: - Sunni = Sunnah पर जोर

Shia = Hazrat Ali और Ahl al-Bayt/Imams के विशेष नेतृत्व पर जोर

Question: Who is a Khalifa?

A Khalifa (Caliph) is a successor or representative who leads the Muslim community after Prophet Muhammad.

खलीफा (Khalifa) वह उत्तराधिकारी/नेता है जो पैगंबर हज़रत मुहम्मद के बाद मुस्लिम समुदाय का नेतृत्व करता है।

The First Four Caliphs — Khulafa-e-Rashidun

No.	Khalifa		
1	Abu Bakr	First Caliph	प्रथम खलीफा
2	Umar ibn al-Khattab	Second Caliph	द्वितीय खलीफा
3	Uthman ibn Affan	Third Caliph	तृतीय खलीफा
4	Ali ibn Abi Talib	Fourth Caliph	चतुर्थ खलीफा

Question: What was the time period of Hazrat Muhammad ﷺ?

Hazrat Muhammad ﷺ was born around **570 CE** in **Mecca** and died in **632 CE** in **Medina**.

Event	Year
Birth	c. 570 CE
Beginning of Prophethood / First Revelation	610 CE
Migration (Hijra) from Mecca to Medina	622 CE
Death	632 CE

The Prophet Muhammad lived approximately from **570 CE to 632 CE**. His prophethood began in **610 CE**, and the **Hijra in 622 CE** marks the beginning of the Islamic calendar.

पैगंबर हज़रत मुहम्मद का जीवन लगभग **570 ईस्वी से 632 ईस्वी** तक रहा। **610 ईस्वी** में पहली वह्यी (Revelation) प्राप्त हुई और **622 ईस्वी में हिजरत** हुई, जिससे इस्लामी कैलेंडर की शुरुआत मानी जाती है।

Question: Who is Qadi (Kadi)?

answer

A **Qadi (Qazi/Kadi)** is a **Muslim judge** who is appointed to administer and decide cases according to **Islamic law (Sharia)**.

काज़ी (**Qadi/Qazi)** वह **मुस्लिम न्यायाधीश** होता है जो इस्लामी कानून **(शरीयत**) के अनुसार मामलों की सुनवाई और निर्णय करता है।

आसान उदाहरण - यदि दो लोगों के बीच **विवाह, तलाक, विरासत या अन्य व्यक्तिगत कानून** से संबंधित विवाद हो, तो परंपरागत इस्लामी व्यवस्था में **Qadi** उस मामले का निर्णय करता था।

Exam Line - Qadi is a Muslim judge appointed to administer justice according to Islamic law.

काज़ी वह मुस्लिम न्यायाधीश है जो इस्लामी कानून के अनुसार न्याय करता है।

---

question how quran create? **"How was the Qur'an created/formed?"**,

Question: How was the Qur'an revealed?

According to Islamic belief, the **Qur'an was revealed by Allah to Prophet Muhammad ﷺ through the Angel Jibril (Gabriel)** over a period of approximately **23 years**, beginning in **610 CE** and continuing until the Prophet's death in **632 CE**.

The revelations were initially **memorised and written down by the Prophet's companions**. After his death, the written and memorised material was collected, and during the caliphate of **Hazrat Uthman**, a standard written text was prepared and copies were distributed.

इस्लामी मान्यता के अनुसार **कुरआन अल्लाह की ओर से पैगंबर हज़रत मुहम्मद पर फरिश्ता जिब्रील** (**Gabriel) के माध्यम से** लगभग **23 वर्षों** में नाज़िल हुआ। इसकी शुरुआत लगभग **610 ईस्वी** में हुई और पैगंबर की मृत्यु **632 ईस्वी** तक वह्यी (revelation) आती रही।

कुरआन की आयतों को पैगंबर के साथियों ने **याद भी किया और लिखित रूप में भी सुरक्षित किया**। बाद में इसे संकलित किया गया और **हज़रत उस्मान के समय मानक लिखित प्रतियाँ तैयार करके विभिन्न स्थानों पर भेजी गईं।**

याद रखने का आसान तरीका

Allah → Jibril → Prophet Muhammad → Companions → Written/compiled Qur'an

Exam keywords: Revelation – Jibril – 610 CE – 23 years – 632 CE – Compilation – Uthman.

---

question who is Sunni – Hanafi School?

answer.

School	**Hanafi School**
Founder	**Imam Abu Hanifa (Nu'man ibn Thabit)**

Place of development	**Kufa, Iraq**
Major juristic disciples	**Imam Abu Yusuf** and **Imam Muhammad al-Shaybani**
Branches?	It is better **not to call Abu Yusuf and Imam Muhammad "two branches."** They were the two most famous disciples who developed and transmitted Hanafi jurisprudence.

Your statement corrected

The Hanafi School was founded by Imam Abu Hanifa and developed in Kufa, Iraq. Its two most famous disciples were Imam Abu Yusuf and Imam Muhammad al-Shaybani, who played a major role in developing and spreading Hanafi jurisprudence.

हनफ़ी स्कूल के संस्थापक **इमाम अबू हनीफ़ा** थे। इसका प्रमुख विकास **कूफ़ा** (**Iraq**) में हुआ।

इसके दो प्रमुख शिष्य थे:

1. **इमाम अबू यूसुफ**
2. **इमाम मुहम्मद अल-शायबानी**

इन दोनों ने **हनफ़ी विधिशास्त्र को विकसित और प्रचारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।**

Exam में "2 branches" के बजाय "two famous disciples" लिखना ज्यादा सही होगा।

==========

Question: What is the meaning of Ijma (इज्मा)?

answer. Ijma means the **consensus or agreement of qualified Muslim jurists (scholars) on a question of Islamic law after the death of Prophet Muhammad**.

इज्मा (**Ijma**) का अर्थ है **पैगंबर हज़रत मुहम्मद की मृत्यु के बाद किसी इस्लामी कानूनी प्रश्न पर योग्य मुस्लिम विद्वानों/विधिवेत्ताओं की सर्वसम्मति या सहमति।**

आसान उदाहरण - यदि किसी नए कानूनी प्रश्न पर **योग्य मुस्लिम jurists** विचार करते हैं और उस प्रश्न के समाधान पर **सर्वसम्मति से एक मत** बनता है, तो उसे **Ijma** कहा जाता है।

Exam में याद रखें - Ijma = Consensus of Muslim Jurists --- इज्मा = मुस्लिम विधिवेत्ताओं की सर्वसम्मति।

यह **Muslim Law का एक महत्वपूर्ण secondary source** माना जाता है।

---

books in islam

1.Al-Hidaya

- **Al-Hidaya** was written by **Burhan al-Din al-Marghinani (Al-Marghinani)**.
- It is an important **Hanafi** legal text.
- In **1776**, it was translated from Arabic into **Persian** under the patronage/order associated with **Warren Hastings**.
- **Charles Hamilton** subsequently translated that Persian version into **English**, published in **1791**.

So remember:
Al-Hidaya → Al-Marghinani → Persian translation → Warren Hastings → English translation → Charles Hamilton

2. Al-Sirajiyyah

Your second point is **substantially correct**, but the author's name should be corrected.

- **Al-Sirajiyyah** was written by **Siraj al-Din Muhammad ibn Muhammad al-Sajawandi**.
- It is a famous **Hanafi treatise on the law of inheritance**.
- **Sir William Jones** translated it into English; the translation was published at **Calcutta in 1792**.

Easy exam table

Book	Author	Subject	English Translator
Al-Hidaya	**Burhan al-Din al-Marghinani**	Hanafi Muslim Law	**Charles Hamilton**
Al-Sirajiyyah	**Siraj al-Din al-Sajawandi**	Muslim Law of Inheritance	**Sir William Jones**

Important: Don't write **"Sheikh Shirazuddin"** for Sirajiyyah. The author's name is **Siraj al-Din al-Sajawandi** (also written Sajawandi/Sajāwandī).
One useful historical point: **Sir William Jones's English translation of Al-Sirajiyyah was published in 1792**, while later editions were reprinted with notes and commentary by **Almaric Rumsey**.

Imam Malik did not reside in Kufa. He was born, lived, taught, and died in Medina.

Question: Maliki School

Your point	Correct version
Malik bin Anas	✅ Correct — **Imam Malik ibn Anas**
Residing at Kufa	❌ Incorrect — he was associated with **Medina**
Follow tradition	✅ Generally correct — he gave great importance to the **Sunnah and the practice of the people of Medina (ʿAmal)**.
Found 8,000 traditions	⚠️ The exact number varies in historical accounts. Some traditional accounts say the *Muwatta* was reduced from around **10,000 traditions to about 2,000** during its development.
Compiled only 2,000	✅ Roughly correct for the commonly cited final version; the famous Yahya al-Laythi transmission is counted at about **1,942 reports**.
Book Muwatta	✅ Correct — **Al-Muwatta of Imam Malik**.

Better exam answer **(maliki residing at medina.)**
Imam Malik ibn Anas was the founder of the **Maliki School**. He was a great scholar of **Medina**, not Kufa. He gave special importance to the **Sunnah and the established practice of the people of Medina**. His famous book is **Al-Muwatta**, which contains Hadith, reports of the Companions and Successors, and legal opinions.

इमाम मलिक इब्न अनस मलिकी स्कूल के संस्थापक थे। वे **मदीना** के प्रमुख विद्वान थे, कूफ़ा के नहीं। उन्होंने **सुन्नत तथा मदीना के लोगों की प्रचलित धार्मिक-व्यावहारिक परंपरा** को विशेष महत्व दिया। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक **अल-मुवत्ता** है, जिसमें हदीस, सहाबा और ताबिईन की परंपराएँ तथा कानूनी विचार मिलते हैं।

याद रखने की ट्रिक: Hanafi → Kufa (Iraq) Maliki → Medina

---

in general case in sunni hanifi school will be privilege?????

Yes, **in the context of Indian Muslim Law, your statement is broadly correct**, but I would change the wording for an LL.B. answer.

Correct position

In India, **Hanafi law is generally applied to Sunni Muslims because the majority of Indian Sunnis follow the Hanafi school**. However, it is **not an absolute rule that Hanafi law will always get preference**. If the parties belong to another Sunni school, such as Shafi'i, the law of their applicable school may be relevant.

Better exam sentence

"In India, in general, Hanafi law is applied to Sunni Muslims, as the majority of Indian Sunnis follow the Hanafi school."

"भारत में सामान्यतः सुन्नी मुसलमानों पर हनफ़ी कानून लागू होता है, क्योंकि भारत के अधिकांश सुन्नी मुसलमान हनफ़ी स्कूल का पालन करते हैं।"

Better write: ✅ **"Hanafi law is generally applicable/prevalent among Sunni Muslims in India."**

This is particularly useful for your **LL.B. exam**, because the applicable school can depend upon the **sect and school to which the parties belong**.

Question: Was the Qur'an revealed in fragmentary form?
According to Islamic tradition, the Qur'an was **revealed gradually in separate portions (verses and passages)** to Prophet Muhammad ﷺ over approximately **23 years**, rather than being revealed as one complete book at one time. The revelations were memorised and also written down by the Prophet's companions. Later, they were collected into a written compilation.
इस्लामी परंपरा के अनुसार कुरआन **एक ही समय में पूरी पुस्तक के रूप में नाज़िल नहीं हुआ**, बल्कि लगभग **23 वर्षों में अलग-अलग आयतों और अंशों के रूप में धीरे-धीरे नाज़िल हुआ**। इन आयतों को सहाबा ने याद किया और लिखित रूप में भी सुरक्षित किया। बाद में इन्हें एक लिखित संकलन के रूप में एकत्र किया गया।

---

sources of muslim law? by ila mam.

1 quran > 6666 aayat in which 200 for legal principle and 80 for marriage etc.

2 trandition > (1) sunnat > shiya

> hadis > sunni

a sunnat ul fail (conduct of hazrat Mohammad)

b sunnat ul qual (word spoker by hazrat Mohammad)

c sunnat ul taqreer (not disagree)

(2) ahadies or Hadees.

a ahadise e mutwali (a act which followed by universally)

b	ahadise e mashhoor	(a act which followed by a group)
c	ahadise e wahikd	(a act which followed by a individual)

Sources of Muslim Law by chat gpt.

No.	Source	Sub-division / Meaning		
1	Qur'an	—	The Qur'an is the **primary source of Muslim Law**. It contains the revelations of Allah to Prophet Muhammad.	कुरआन मुस्लिम कानून का **प्राथमिक स्रोत** है। इसमें अल्लाह की ओर से पैगंबर हज़रत मुहम्मद को प्राप्त वह्यी (revelations) हैं।
2	Sunnah / Tradition	**Sunnat-ul-Fi'l**	The **acts and practices** of Prophet Muhammad	पैगंबर हज़रत मुहम्मद के **कार्य और आचरण**।
		Sunnat-ul-Qawl	The **words and sayings** of Prophet Muhammad.	पैगंबर हज़रत मुहम्मद के **कथन और वचन**।
		Sunnat-ul-Taqrir	An act done in the Prophet's presence which he **approved by silence or did not object to**.	पैगंबर के सामने किया गया ऐसा कार्य जिस पर उन्होंने **मौन रहकर स्वीकृति दी या आपत्ति नहीं की**।
3	Hadith	—	Reports or narrations concerning the Prophet's **sayings, acts and approvals**.	पैगंबर के **कथनों, कार्यों और मौन स्वीकृति** से संबंधित वर्णन/रिवायत।
		Hadith Mutawatir	A report transmitted by such a large number of people at successive levels that its authenticity is considered very strong.	ऐसी रिवायत जिसे प्रत्येक स्तर पर इतनी बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसारित किया हो कि उसकी प्रामाणिकता बहुत मजबूत मानी जाए।
		Hadith Mashhur	A report that became widely known and was transmitted by a number of narrators, though not reaching the level of Mutawatir.	ऐसी रिवायत जो व्यापक रूप से प्रसिद्ध हुई और कई रावियों द्वारा प्रसारित हुई, लेकिन Mutawatir के स्तर तक नहीं पहुँची।
		Hadith Ahad / Wahid	A report transmitted through a limited number of narrators; it does not reach the level of Mutawatir.	ऐसी रिवायत जो सीमित संख्या में रावियों से प्राप्त हुई और Mutawatir के स्तर तक नहीं पहुँचती।

---

1. "Qur'an has 6666 verses"

You will often see **6,666** mentioned in traditional teaching material, but for an LL.B. answer it is safer **not to give 6,666 as an exact figure**. Modern standard counting generally gives **6,236 verses (āyāt)**, with differences in counting conventions. So write simply:

***"The Qur'an contains more than 6,000 verses, including verses dealing with legal principles."

Also, the figures **"200 legal verses" and "80 marriage verses"** should not be treated as exact statutory classifications. Different scholars classify the legal verses differently.

Both **Sunni and Shia traditions recognise the importance of Sunnah/Hadith**, although they differ regarding which narrations and authorities they accept.

So **do not make this division:**

Sunnah → Shia
Hadith → Sunni

3. Your "Mutwali / Mashhoor / Wahid" classification

The terms you are looking for are most likely:

- **Mutawatir**
- **Mashhur**
- **Ahad (or Wahid)**

And they refer to the **number/manner of transmission of reports**, not simply to an act followed by everyone, a group, or one individual.

Very Easy Revision Table

Source	Remember
1. Qur'an	**Word of Allah / Primary Source**
2. Sunnah	**Practice of Prophet**
3. Hadith	**Reports about sayings, acts and approvals**
Hadith Mutawatir	**Many transmitters**
Hadith Mashhur	**Widely known / several transmitters**
Hadith Ahad/Wahid	**Limited transmission**

**********==========**********==========**********==========

DATE 21.08.2026 time 10.30 am period 2 Friday

Muslim Law – Ancient Schools

During the period of the Umayyad rulers, an important step was taken by appointing **Qadis (judges)**. The pre-Islamic institution of arbitrators was no longer adequate to meet the needs of the new Arab society, and therefore, it became imperative to supplant the Arab **Hakam** with **Qadis (judges)**.

The ancient schools developed in **Kufa, Iraq; Makkah; Madinah; and Syria**.

मुस्लिम विधि – प्राचीन स्कूल

उमय्यद शासकों के काल में **क़ाज़ियों** (**न्यायाधीशों**) की नियुक्ति करके एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। मध्यकाल-पूर्व इस्लामी व्यवस्था में प्रचलित **मध्यस्थों** (**Arbitrators)** की संस्था नई अरब समाज की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं रह गई थी। इसलिए अरब **हकम** (**Hakam)** के स्थान पर **क़ाज़ियों** (**Qadis/Judges)** की नियुक्ति करना आवश्यक हो गया।

प्राचीन स्कूलों का विकास **कूफ़ा** (**इराक**)**, मक्का, मदीना और सीरिया** में हुआ।

==========

Modern Schools of Muslim Law ---- Sunni School

(A) Hanafi School

The Hanafi School is the first and the most popular school of Muslim law. Before being named the Hanafi School, it was known as the **Kufa School**, as it developed in the city of Kufa in Iraq. Later, it came to be known as the **Hanafi School**, after the name of its founder, **Imam Abu Hanifa**.

The Prophet had discouraged the indiscriminate recording of his sayings and traditions during the early period. Therefore, the Hanafi School gave considerable importance to **reasoning, customs, and the decisions of the Muslim community**, in addition to the Quran and Sunnah.

The founder of this school, **Imam Abu Hanifa**, did not write any book laying down the rules of this school. Therefore, the school developed mainly through the teachings and writings of his disciples.

Imam Muhammad and **Imam Abu Yusuf**, both disciples of Imam Abu Hanifa, made important juristic contributions and helped in the development and systematisation of Hanafi law.

This school became widely spread in various territories. As a result, a large number of Muslims in countries such as **India, Pakistan, Syria, and Turkey** belong to the Hanafi School.

Courts generally presume that a Sunni Muslim follows the Hanafi School unless it is proved or specified that he belongs to another Sunni school.

In Hanafi law, **Al-Hidaya (The Hidaya)** is one of the most important and authoritative books. It was written by **Burhan al-Din Ali ibn Abi Bakr al-Marghinani**.

This book deals with various aspects of Hanafi law, including important principles relating to different branches of Muslim law.

Warren Hastings initiated efforts to make Muslim law accessible through translations and legal works during British rule. *Al-Hidaya* was later translated into English.

However, **Al-Sirajiyyah** is considered an important authoritative text relating specifically to the **Hanafi law of inheritance**. It was written by **Sheikh Sirajuddin**, and one of its early English translations was made by **Sir William Jones**.

मुस्लिम विधि के आधुनिक स्कूल - सुन्नी स्कूल

(A) हनफ़ी स्कूल

हनफ़ी स्कूल मुस्लिम विधि का सबसे प्राचीन और सबसे लोकप्रिय स्कूल माना जाता है। हनफ़ी नाम रखे जाने से पहले इसे **कूफ़ा स्कूल (Kufa School)** के नाम से जाना जाता था, क्योंकि इसका विकास इराक के कूफ़ा शहर में हुआ था। बाद में इस स्कूल के संस्थापक **इमाम अबू हनीफ़ा** के नाम पर इसे **हनफ़ी स्कूल** कहा जाने लगा।

प्रारंभिक काल में पैगम्बर के कथनों और परंपराओं को बिना विचार के लिखने को प्रोत्साहित नहीं किया गया था। इसलिए हनफ़ी स्कूल ने कुरान और सुन्नत के अतिरिक्त **तर्क, प्रथाओं तथा मुस्लिम समुदाय के निर्णयों** को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया।

इस स्कूल के संस्थापक **इमाम अबू हनीफ़ा** ने इस स्कूल के नियमों को निर्धारित करने के लिए स्वयं कोई पुस्तक नहीं लिखी। इसलिए इस स्कूल का विकास मुख्य रूप से उनके शिष्यों की शिक्षाओं और लेखन के माध्यम से हुआ।

इमाम मुहम्मद और **इमाम अबू यूसुफ**, दोनों इमाम अबू हनीफ़ा के प्रमुख शिष्य थे। उन्होंने महत्वपूर्ण न्यायशास्त्रीय योगदान दिया तथा हनफ़ी विधि के विकास और व्यवस्थित रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यह स्कूल विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रूप से फैल गया। परिणामस्वरूप **भारत, पाकिस्तान, सीरिया और तुर्की** जैसे देशों के बड़ी संख्या में मुसलमान हनफ़ी स्कूल का पालन करते हैं।

न्यायालय सामान्यतः यह मानते हैं कि कोई सुन्नी मुस्लिम **हनफ़ी स्कूल** का अनुयायी है, जब तक यह साबित या स्पष्ट न किया जाए कि वह किसी अन्य सुन्नी स्कूल से संबंधित है।

हनफ़ी विधि में **अल-हिदाया (Al-Hidaya)** सबसे महत्वपूर्ण और प्रामाणिक ग्रंथों में से एक है। इसे **बुरहान अल-दीन अली इब्न अबी बक्र अल-मार्गिनानी (Burhan al-Din Ali ibn Abi Bakr al-Marghinani)** ने लिखा था।

इस पुस्तक में हनफ़ी विधि के विभिन्न पहलुओं और मुस्लिम विधि की विभिन्न शाखाओं से संबंधित महत्वपूर्ण सिद्धांतों का वर्णन किया गया है।

ब्रिटिश शासन के दौरान **वॉरेन हेस्टिंग्स** ने मुस्लिम विधि को समझने और उपलब्ध कराने के लिए अनुवाद एवं कानूनी ग्रंथों को प्रोत्साहित किया। बाद में *अल-हिदाया* का अंग्रेजी में अनुवाद किया गया।

दूसरी ओर, **अल-सिराजिय्या (Al-Sirajiyyah)** को विशेष रूप से **हनफ़ी उत्तराधिकार विधि (Law of Inheritance)** से संबंधित एक महत्वपूर्ण और प्रामाणिक ग्रंथ माना जाता है। इसे **शेख सिराजुद्दीन** ने लिखा था और इसके प्रारंभिक अंग्रेजी अनुवादों में से एक **सर विलियम जोन्स** द्वारा किया गया था।

Question: What is the subject written about in the book *Al-Sirajiyyah*?

Answer: The book *Al-Sirajiyyah* deals with the law of inheritance.

प्रश्न: *अल-सिराजिय्या (Al-Sirajiyyah)* पुस्तक किस विषय पर लिखी गई है?

उत्तर: *अल-सिराजिय्या* पुस्तक **उत्तराधिकार के कानून (Law of Inheritance)** पर लिखी गई है।

---

question what is the mean of OTT?

answer the means of OTT is ON THE TOP.

Question: Where is the Hanafi School followed?

Answer: The Hanafi School is mainly followed in **India, Pakistan, Turkey, and Syria**.

प्रश्न: हनफ़ी स्कूल का पालन कहाँ किया जाता है?

उत्तर: हनफ़ी स्कूल का मुख्य रूप से **भारत, पाकिस्तान, तुर्की और सीरिया** में पालन किया जाता है।

Question: Tell me something about the book *Al-Hidaya*.

Answer: *Al-Hidaya* was written by **Burhan al-Din Ali ibn Abi Bakr al-Marghinani**. It is one of the most important and authoritative books of the Hanafi School and deals with various aspects of Muslim law.

प्रश्न: *अल-हिदाया (Al-Hidaya)* पुस्तक के बारे में कुछ बताइए।

उत्तर: *अल-हिदाया* **बुरहान अल-दीन अली इब्न अबी बक्र अल-मार्गिनानी** द्वारा लिखी गई थी। यह हनफ़ी स्कूल की सबसे महत्वपूर्ण और प्रामाणिक पुस्तकों में से एक है तथा इसमें मुस्लिम विधि के विभिन्न विषयों का वर्णन किया गया है।

Note: *Al-Hidaya* केवल **inheritance (उत्तराधिकार)** पर आधारित पुस्तक नहीं है; यह मुस्लिम विधि के विभिन्न पहलुओं को cover करती है।

---

question. what is the **Al-Sirajiyyah** is an important and authoritative book on the **Hanafi law of inheritance**?

answer **Al-Sirajiyyah** is an important and authoritative book on the **Hanafi law of inheritance**.
It was written by **Sheikh Sirajuddin** and deals mainly with the rules of **Muslim inheritance and succession**.

अल-सिराजिय्या (Al-Sirajiyyah) हनफ़ी कानून में **उत्तराधिकार विधि** पर एक महत्वपूर्ण और प्रामाणिक पुस्तक है। यह **शेख सिराजुद्दीन** द्वारा लिखी गई है और इसमें मुस्लिम उत्तराधिकार एवं विरासत के नियमों का वर्णन किया गया है।

Maliki School in Muslim Law

The Maliki School derives its name from **Imam Malik ibn Anas**. He was a famous jurist and scholar of **Madinah** and is regarded as one of the founders of the four major Sunni schools of Muslim law.

During this period, **Kufa** was an important centre of Islamic learning, where Imam Abu Hanifa and his disciples developed the Hanafi School.

Imam Malik collected and examined a large number of traditions of the Prophet. He gave great importance to the **Sunnah (traditions and practices of the Prophet)** and the practices of the people of Madinah.

While the disciples of Imam Abu Hanifa developed Hanafi law with significant use of **Ijma (consensus)** and reasoning, the Maliki School gave particular importance to the **Sunnah, Hadith, and the established practices of the people of Madinah**.

The Maliki School is generally considered more liberal in certain matters relating to family law and gives importance to the welfare and rights of women. For example, under Maliki law, a woman may seek dissolution of marriage on certain grounds, including the prolonged absence of her husband.

Al-Muwatta, written by Imam Malik, is considered one of the most important and authoritative books of the Maliki School. It is also one of the earliest surviving compilations of **Hadith and Islamic law** and contains traditions as well as legal opinions of Imam Malik.

मुस्लिम विधि में मालिकी स्कूल

मालिकी स्कूल का नाम **इमाम मालिक इब्न अनस (Imam Malik ibn Anas)** के नाम पर रखा गया है। वे **मदीना** के प्रसिद्ध विधिवेत्ता और विद्वान थे तथा मुस्लिम विधि के चार प्रमुख सुन्नी स्कूलों के संस्थापकों में से एक माने जाते हैं।

उस समय **कूफ़ा (Kufa)** इस्लामी शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केंद्र था, जहाँ इमाम अबू हनीफ़ा और उनके शिष्यों ने हनफ़ी स्कूल का विकास किया।

इमाम मालिक ने पैगम्बर की अनेक परंपराओं का संग्रह और अध्ययन किया। उन्होंने **सुन्नत (पैगम्बर की परंपराओं और आचरण)** तथा मदीना के लोगों की स्थापित प्रथाओं को विशेष महत्व दिया।

जहाँ इमाम अबू हनीफ़ा के शिष्यों ने **इज्मा (Ijma—सहमति)** और तर्क का महत्वपूर्ण उपयोग करते हुए हनफ़ी विधि का विकास किया, वहीं मालिकी स्कूल ने विशेष रूप से **सुन्नत, हदीस तथा मदीना के लोगों की स्थापित प्रथाओं** को महत्व दिया।

मालिकी स्कूल को पारिवारिक कानून के कुछ मामलों में अपेक्षाकृत उदार माना जाता है तथा इसमें महिलाओं के अधिकारों और कल्याण को महत्व दिया गया है। उदाहरण के लिए, मालिकी विधि के अंतर्गत पति की लंबे समय तक अनुपस्थिति सहित कुछ आधारों पर पत्नी विवाह-विच्छेद की मांग कर सकती है।

अल-मुवत्ता (Al-Muwatta), जिसे इमाम मालिक ने लिखा, मालिकी स्कूल की सबसे महत्वपूर्ण और प्रामाणिक पुस्तकों में से एक मानी जाती है। यह **हदीस और इस्लामी विधि** के सबसे प्रारंभिक उपलब्ध संकलनों में से एक है तथा इसमें हदीसों के साथ-साथ इमाम मालिक के कानूनी विचार भी शामिल हैं।

**********==========**********==========**********=======